रै-21
दै० समा० पत्र
1052
11/05/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

खण्ड कार्यालय, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण), मुरादाबाद

आशियाना फेस –1, निकट पानी की टंकी, मुरादाबाद–244001
(0591) 3511043 ee11_upjn_mbd@yahoo.co.in

पत्रांक 1/कैम्प मुरादाबाद/ दिनांक 09.05.2026

सेवा में

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण),
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ

विषय – ई–दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में दिनांक 09.05.2026 को प्रकाशित खबर शीर्षक "न नल मिला न जल.... गांव–गांव खुदी सड़कें दे रहीं बड़ा दर्द" के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक ई–दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में दिनांक 09.05.2026 को प्रकाशित खबर शीर्षक "न नल मिला न जल....गांव–गांव खुदी सड़कें दे रहीं बड़ा दर्द" की अनुपालन आख्या निम्नानुसार है।

क्र0स0	प्रकाशित खबर	अनुपालन आख्या
1	मुरादाबाद। जल जीवन मिशन... योजना यह थी कि लोगों को स्वच्छ जल मिले लेकिन हकीकत यह है कि पानी तो मिला नहीं, घर से निकलना और दूभर हो गया। गांवों में इस योजना का सच चौंकाने वाला है। सवाल भी खड़े करता है कि करोड़ों खर्च करने के बाद भी लोगों को सहूलियत नहीं मिल रही तो इसे क्या कहा जाए। खुदी सड़कों पर गिरकर लोट चोटिल हो रहे हैं।	जल जीवन मिशन भारत सरकार की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण योजना है, योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त घरों को ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं से क्रियाशील गृह संयोजन (एफ०एच०टी०सी०) द्वारा क्लोरीनयुक्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाना है, इस कार्य हेतु अधिशासी निर्देशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, लखनऊ के द्वारा जल जीवन मिशन (फेस–2 एवं 3) के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद के ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल आधारित पाइप पेयजल योजनाओ के निर्माण एवं 10 वर्षों तक संचालन एवं रख–रखाव हेतु मै० एल०सी० इन्फ्रा को अनुबन्ध सं० 68/ई०डी०/20 20–21 के अन्तर्गत एवं मै० एन०के०जी० प्राइमस (जे०वी०), नई दिल्ली को अनुबन्ध सं० 11/ई०डी०/फेस–3/ 2021–22 के अन्तर्गत सूचीबद्ध किया गया है। जल जीवन मिशन फेस–2 एवं फेस–3 के अन्तर्गत स्वीकृत 603 नग ग्रामीण पेयजल योजनाओं में प्रस्तावित कार्यों के सापेक्ष 589 नग नलकूप बोरिंग कार्य पूर्ण, 4154 कि०मी० वितरण प्रणाली के कार्य पूर्ण, 398 नंग पम्प हाउस के कार्य पूर्ण, 170 नग उच्च जलाशय के कार्य पूर्ण, 227/53 नग सोलर सिस्टम अधिष्ठापन/विद्युत संयोजन के कार्य पूर्ण एवं 341915 नग पेयजल गृह संयोजन के कार्य पूर्ण किये जा चुके है। ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं में वितरण प्रणाली, बिछाने हेतु डिस्मैंटल की गयी सड़को के सापेक्ष 80 प्रतिशत सड़को को पूर्व की भांति पुर्नस्थापित एवं शेष सड़कों को मोटरेबल करा दिया गया है। वर्तमान में 251 नग राजस्व ग्रामों में उच्च जलाशय/ डायरेक्ट पम्पिग क माध्यम से निरन्तर शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जा रही है। शेष ग्रामों में पेयजल योजनाओं के कार्य धनाभाव के कारण अत्यन्त धीमी गति से कराये जा रहे है, यू०पी० सरकार और केंद्र सरकार के बीच एक एम०ओ०यू० पर हस्ताक्षर किए गए हैं। धनावंटन उपरान्त फर्मों द्वारा योजनाओं के समस्त कार्यो को त्वरित गति से पूर्ण कराते हुये पेयजल आपूर्ति सुचारू करा दी जायेगी। उक्त के अतिरिक्त यह भी अवगत कराना है कि जेजेएम फेस–3 के अन्तर्गत कार्यरत फर्म मै० एन०के०जी० प्राइसम द्वारा कराये जा रहे कार्यों की प्रगति नगण्य है. जिस हेतु इस खण्ड के पत्रांक 1565/एन० के०जी०/93 दिनांक 04.10.2024 तथा जिलाधिकारी महोदय के पत्रांक 1845/एन० के०जी०/89 दिनांक 22.08.2025 एवं पत्रांक 1846/एन० के०जी०/90 दिनांक 22.08.2025 द्वारा फर्म को चेतावनी/नोटिस दिये गये है। जिलाधिकारी महोदय मुरादाबाद द्वारा अपने पत्रांक 1714 /एन० के०जी०/93 दिनांक 24.10.2024, पत्रांक 2009/ एन० के०जी०/198 दिनांक 16.12.2024 एवं पत्रांक 2949/ जेजेएम /163 दिनांक 24.12.2025 द्वारा फर्म के विरूद्ध अग्रिम आवश्यक कार्यवाही हेतु अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, लखनऊ से अनुरोध किया गया है।
	ठाकुरद्वारा। ग्राम पंचायत लौंगी खुर्द में पाइपलाइन डालने के लिए सड़कें खोदी गई थीं। पाइप लाइन तो डाल दी गई लेकिन प्रशासनिक मशीनरी सड़कें सही करना भूल गई। अब बारिश हो जाने से इन सड़कों का बुरा हाल हो गया है। यहां से निकलने पर डर लगता है कि कहीं गिर न जाएं। ग्राम पंचायत की आबादी करीब 3500 है। गांव में एक वर्ष से जल जीवन मिशन का काम पूरी तरह बंद है। पानी की आपूर्ति के लिए गांव के बाहर जंगल में एक नलकूप बनाया गया है, जिसे बोरिंग कर छोड़ दिया गया है। गांव में करीब	प्रकाशित खबर में उल्लेखित ग्राम लौंगी खुर्द की यथास्थिति निम्नानुसार है। ग्राम लौंगी खुर्द जल जीवन मिशन फेस–3 के अन्तर्गत चयनित है तथा योजना के कार्य राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा आंवटित फर्म मै0 एन0के0जी0 प्राइमस द्वारा कराये जा रहे है। योजनान्तर्गत वितरण प्रणाली बिछाने के कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूर्ण एवं पम्प हाउस व बाउण्ड्री वॉल कार्य के 90 प्रतिशत पूर्ण

	400 घर हैं। सभी घरों में कनेक्शन भी नहीं किया गया है। गांव के मिहन खां का कहना है कि योजना शुरू होते समय लोगों को काफी खुशी हुई थी लेकिन अब यह खुशी नाउम्मीदी में बदल चुकी है। योजना के नाम पर सिर्फ परेशानियां ही मिली हैं। गांव के पूर्व प्रधान यूनुस का कहना है कि गांव में खोदी गई सड़कें खुद ही लापरवाही बयां कर रही हैं। ग्राम प्रधान साजिया का कहना है कि योजना के बीच में बंद हो जाने पर अधिकारियों को अवगत कराया गया लेकिन एक साल बाद भी बंद काम शुरू नहीं हुआ है। टैंक का निर्माण भी नहीं किया गया है। सिर्फ बोरिंग कर नलकूप का कमरा और चहारदीवारी बनाकर काम बंद कर दिया गया।	है। पाइप लाइन बिछाने हेतु डिस्मेंटल की गयी सड़क के पुर्नस्थापना के कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण है तथा शेष सड़को को मोटरेबल करा दिया गया है। वर्तमान में धनाभाव के कारण योजना के कार्य बाधित है, यू0पी0 सरकार और केंद्र सरकार के बीच एक एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किए गए हैं। धनावंटन उपरान्त फर्म द्वारा योजना के शेष कार्य पूर्ण करा दिये जायेगें।
	उखड़े खड़ंजे दे रहे जिम्मेदारों के काम की गवाही बिलारी। ग्राम पहाड़पुर और उसमें शामिल मझरा कनौबी को पानी की आपूर्ति के लिए पहाड़पुर गांव में परिषदीय स्कूल के निकट की भूमि का चयन किया गया। दो साल पहले ओवरहेड टैंक बनाने के लिए फाउंडेशन बनाया गया। सरिये के साथ पिलर खड़े कर दिए गए। इसके बाद काम रुक गया। जलनिगम द्वारा जिस संस्था को जिम्मेदारी दी गई उसने दो साल से कोई काम नहीं किया। पहाड़पुर गांव के पूर्व प्रधान चौधरी गंभीर सिंह का कहना है कि स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के नाम पर जल निगम द्वारा सड़कें तो खोद दी गईं लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई। कनौबी पहाड़पुर गांव निवासी हरकिशोर ने बताया कि खड़ंजे उखाड़ दिए गए। दो साल बाद भी उनकी मरम्मत नहीं कराई गई। हरकिशोर के अनुसार उखड़े खड़ंजे के कारण उनके पशु की मौत तक हो गई। नरोत्तम सिंह का कहना है कि कई महिलाओं और बच्चों को चोट लग चुकी है। खड़ंजे ठीक कराने के लिए जल निगम के अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजे गए लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।	प्रकाशित खबर में उल्लेखित ग्राम पहाड़पुर की यथास्थिति निम्नानुसार है। ग्राम पहाड़पुर जल जीवन मिशन फेस–3 के अन्तर्गत चयनित है तथा योजना के कार्य राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा आंवटित फर्म मै0 एन0के0जी0 प्राइमस द्वारा कराये जा रहे है। योजनान्तर्गत वितरण प्रणाली बिछाने के कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण है। पाइप लाइन बिछाने हेतु डिस्मेंटल की गयी सड़क के पुर्नस्थापना के कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण है शेष सड़को को मोटरेबल करा दिया गया है। वर्तमान में धनाभाव के कारण योजना के कार्य बाधित है, यू0पी0 सरकार और केंद्र सरकार के बीच एक एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किए गए हैं। धनावंटन उपरान्त फर्म द्वारा योजना के शेष कार्य पूर्ण करा दिये जायेगें।
	शिकायती पत्र तो छोड़िए, ऑनलाइन शिकायतों की भी सुनवाई नहीं कांठ छजलैट के गांव तेलीपुरा में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को पानी देने के लिए सालों पहले काम शुरू हुआ था। बोरिंग करके कमरा बना दिया गया। सौर ऊर्जा सिस्टम लगा है मगर ओवरहेड टैंक नहीं बनाया गया। कुछ घरों में कनेक्शन भी दिए गए। गांव में रास्तों को खोदकर पाइप लाइन बिछाई गई। कुछ हिस्से अभी तक इससे भी अछूते हैं। खोदे गए रास्तों की मरम्मत भी नहीं की गई। पाइप लाइन को डायरेक्ट नलकूप से जोड़कर पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गई। प्रेशर न होने से ग्रामीणों को जरूरत भर का पानी भी नहीं मिलता। शुक्रवार को गांव के फैसल, जैद, फरमान ने बताया कि न तो पानी प्रेशर के साथ आ रहा और न ही पानी आने का कोई समय है। रास्तों की मरम्मत भी नहीं की गई। सुरजीत सिंह, शोबिंद्र सिंह ने कहा कि एक साल पहले पाइप लाइन को खोदे गए खड़ंजे को ऐसे ही छोड़ दिया गया। राहगीर ठोकर खाकर गिरते हैं। शिकायती पत्र तो छोड़िए, अफसर ऑनलाइन शिकायतें भी नहीं देखते। पूरे गांव में पानी भी नहीं आता। प्रधान करन सिंह ने बताया कि ओवरहेड टैंक नहीं बनाया गया। डायरेक्ट पानी दिया जा रहा है। ज्यादातर रास्तों को भी खोदने के बाद ऐसे ही छोड़ दिया गया। कई की उन्होंने खुद मरम्मत कराई है। उनकी पंचायत के ही गांव मेडयो में अभी पाइप लाइन भी नहीं है।	प्रकाशित खबर में उल्लेखित ग्राम तेलीपुरा की यथास्थिति निम्नानुसार है। ग्राम तेलीपुरा, अलीपुरा खालसा ग्रामीण पेयजल योजना से आच्छादित है, योजना जल जीवन मिशन फेस–3 के अन्तर्गत चयनित है तथा योजना के कार्य राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा आंवटित फर्म मै0 एन0के0जी0 प्राइमस द्वारा कराये जा रहे है। योजनान्तर्गत वितरण प्रणाली बिछाने के कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण है। योजना में डायरेक्ट पम्पिंग के माध्यम से नियमित शुद्ध क्लोरीनयुक्त पेयजल आपूर्ति की जा रही है। ग्राम के दूरस्थ पेयजल गृह संयोजनो में कम प्रेशर से पेयजल आपूर्ति हो रही है। पाइप लाइन बिछाने हेतु डिस्मेंटल की गयी सड़को पुर्नस्थापित/मोटरेबल करा दिया गया है। वर्तमान में धनाभाव के कारण योजना के कार्य बाधित है, यू0पी0 सरकार और केंद्र सरकार के बीच एक एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किए गए हैं। धनावंटन उपरान्त फर्म द्वारा योजना के शेष कार्य पूर्ण करा दिये जायेगें।

भवदीय

अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार :–

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

1. मुख्य अभियन्ता महोदय (मुरा0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), मुरादाबाद को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अधीक्षण अभियन्ता महोदय, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), मुरादाबाद को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
3. जिलाधिकारी महोदय, मुरादाबाद को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य विकास अधिकारी महोदया, मुरादाबाद को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
5. जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी, मुरादाबाद को सूचनार्थ प्रेषित।
6. समस्त सहायक अभियन्ता/जूनियर इंजीनियर को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अग्रिम आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।
7. प्रोजेक्ट हेड/निदेशक, एल0सी0 इन्फ्रा0 प्रोजेक्ट प्रा0लि0, मकान नं0–10/66 सेक्टर–10 फेस–2 एम0जी0आर0 रेस्टोरेंट के पास आवास विकास, बुद्धी विहार मुरादाबाद को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अग्रिम आवश्यक कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें।
8. प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 एन0के0जी0 प्राइमस जे0वी0, मकान नं0 7वी/63 बुद्धि विहार फेस–2 सेंट मैरी स्कूल के पास, दिल्ली रोड, मुरादाबाद को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अग्रिम आवश्यक कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें।

अधिशासी अभियन्ता